पुलिस की गिरफ्त में सीरियल कटर मैन

डीजीपी ने पुलिस को दिया 50 हजार का इनाम

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 5 फरवरी. शहर में राह चलती युवतियों को निशाना बनाकर कटर से हमला करने वाले सीरियल कटर बदमाश को भोपाल पुलिस ने गिरफ्तार किया है. गुरुवार को अयोध्यानगर इलाके में पुलिस ने बदमाश का जुलूस भी निकाला. पुलिस की इस सफलता पर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने भोपाल पुलिस टीम को 50 हजार रुपये के पुरस्कार से पुरस्कृत करने की घोषणा की है.

अति. पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी ने गुरुवार को कमिश्नर कार्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि आरोपी घटना करके पुलिस से बचने के लिए घर में छिप गया था, उसके बाद जब वह दोबारा घटना की मंशा से

निकला, तभी उसे अयोध्या नगर इलाके में पुलिस ने दबोच लिया. आरोपी बदमाश ने 4 महीने पहले करोंद सब्जी मंडी में चोरी की घटना को भी अंजाम दिया था. आरोपी की पत्नी भी उसे छोड़ कर चली गई थी. वह नशे में लिप्त रहने लगा था. पुलिस को मौके पर बरामद हुए उसके फोन पर अश्लील कंटेंट भी मिले. इससे आरोपी के विकृत मानसिकता को लेकर भी जानकारी सामने आई है. महिलाओं पर हमला करने के मामले को लेकर आरोपी से पुलिस की पूछताछ जारी है.

राहतगढ़ का मूल निवासी है आरोपी

अति. पुलिस आयुक्त ने बताया कि पुलिस की पकड़ में आए बदमाश की पहचान देवेन्द्र अहिरवार (37) निवासी राहतगढ़, सागर के रूप में की गई है. आरोपी देवेन्द्र भोपाल में करोंद इलाके में रहते हुए मशीन चलाने का काम करता था. आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस इनाम भी घोषित किया था, जिसे अब पुलिस टीम को दिया जाएगा. गोस्वामी ने बताया कि आरोपी की तलाश के लिए सीसीटीवी फुटेज का सहारा लेते हुए चिन्हित किया गया. मौके पर उसकी तलाशी लेने पर कटर भी बरामद हुआ. इस मौके पर पुलिस उपायुक्त जोन-2 विवेक सिंह ,अति. पुलिस उपायुक्त गौतम सोलंकी सहित अधिकारी उपस्थित रहे.

सागर में की थी 4 वारदातें

उन्होंने बताया कि बदमाश आदतन कटर मैन है, जिसने भोपाल के अलावा सागर शहर के अलग-अलग इलाकों साल 2014 में 4 वारदात की थी. पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने सागर की घटना का खुलासा किया, उस दौरान पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर पाई थी. भोपाल पुलिस ने सागर एसपी से जानकारी ली.

29 को किए थे हमले

बता दें कि बदमाश ने 29 जनवरी की रात को करीब 2 घंटे में 4 युवतियों पर कटर से हमला किया था. सोनागिरी, इंद्रपुरी थाना पिपलानी और नरेला जोड थाना अयोध्यानगर में आरोपी ने वारदात की थी. शिकायत पर मामले को संज्ञान में लेते हुए दोनों ही थानों की पुलिस ने आरोपी की तलाश करनी शुरू की.

इन्फ्लूएंजा और आरएसवी वायरस से फैल रहा संक्रमण

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 5 फरवरी. शहर में इन्फ्लूएंजा और आरएसवी जैसे वायरस हवा के जरिए फैल रहे हैं, जिससे सर्दी, जुकाम बार-बार हो रहा है और कई मरीजों में वायरल दोबारा लौट रहा है. कमजोर होती रोग प्रतिरोधक क्षमता के कारण इन दिनों सर्दी जुकाम बुखार और वायरल संक्रमण के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं.

डॉक्टरों का कहना है कि विटामिन बी 12 और विटामिन सी की कमी से शरीर की इम्यूनिटी कमजोर हो रही है, जो कि कई मरीजों में खांसी के साथ छाती में दर्द और सांस फूलने जैसी शिकायतें भी सामने देखने को मिल रही है. विशेषज्ञ बताते हैं कि यह सर्दी, जुकाम, सांस लेने के तंत्र का संक्रमण है, जो नाक गला, साइनस और छाती तक असर डालता है. वहीं जागरूकता और सतर्कता ही इस बढ़ते संक्रमण से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है.

इम्यूनिटी बढ़ाने के आयुर्वेदिक उपाए अपनाएं

इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए आयुर्वेदिक उपाय में अश्वगंधा, गिलोय, तुलसी और च्यवनप्राश का सेवन किया जा सकता है. हालांकि बच्चों बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को कोई भी दवा डॉक्टर की सलाह से ही लेनी चाहिए.

डॉ राकेश पाण्डेय,
एसआरके विश्वविद्यालय

भीड़भाड़ वाले इलाकों में संक्रमण अधिक

डॉक्टरों का कहना है कि अधिक जनसंख्या घनत्व और भीड़भाड़ वाले इलाकों में संक्रमण तेजी से फैल रहा है. सार्वजनिक स्थानों पर दूरी का पालन न हो पाना, वैक्सीनेशन की कमी, धूम्रपान और नशे की आदतें भी बीमारी को बढ़ा रही हैं. दिन में गर्मी और रात में ठंड जैसे मौसम के बदलाव शरीर को कमजोर कर रहे हैं. इसके साथ ही बढ़ता प्रदूषण भी श्वसन तंत्र पर सीधा असर डाल रहा है.

ट्रेनिंग : सीपीआर का डमी मॉडल से किया अभ्यास

पुलिस प्रशिक्षण

आपातकालीन परिस्थितियों में जीवनरक्षक उपायों की दी विस्तृत जानकारी

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 5 फरवरी. पुलिस आयुक्त संजय कुमार, अति. पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी के एवं पुलिस उपायुक्त जोन-4 मयूर खंडेलवाल के निर्देशन में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए प्राथमिक उपचार एवं सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण का आयोजन किया गया.

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रथम उत्तरदाता को सशक्त बनाना है, रोड एक्सीडेंट पर फर्स्ट ऐड और सीपीआर इस प्रशिक्षण का उद्देश्य है. कार्यक्रम की रोज वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मॉनिटरिंग की जा रही है. कुल 500 पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य निर्धारित है.

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत कुल लगभग 500 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाना प्रस्तावित है. यह प्रशिक्षण लगभग 01-माह तक जारी रहेगा, प्रशिक्षण के दौरान डमी मॉडल के माध्यम से सीपीआर का अभ्यास कराया जा रहा है तथा विभिन्न आपातकालीन परिस्थितियों में जीवनरक्षक उपायों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है.

प्रशिक्षण कार्यक्रम की रोज़ाना मॉनिटरिंग जोन के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की जा रही है, जिससे प्रशिक्षण की गुणवत्ता, उपस्थिति एवं व्यवहारिक अभ्यास सुनिश्चित किया जा सके. यह प्रशिक्षण चिरायु अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज, भैंसाखेड़ी, भोपाल में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा पुलिसकर्मियों को रोड एक्सीडेंट की स्थिति में फर्स्ट ऐड तथा अचानक हृदयगति रुकने की स्थिति में सीपीआर देने का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है. सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को त्वरित एवं सही प्राथमिक उपचार प्रदान करना इस प्रशिक्षण का मुख्य लक्ष्य है.

'हृदय प्रदेश' की स्वच्छता श्रेणी तय करेगा केंद्रीय दल

भोपाल, 5 फरवरी. केन्द्रीय सर्वेक्षण दल 2026 के सर्वे के लिए भोपाल में जल्द ही आने वाला है, जो शहर में स्वच्छता का निरीक्षण करेगी. जो देश में राजधानी की स्वच्छता श्रेणी तय करेगी. यह सर्वे दल प्रतिवर्ष पूरे देश में स्वच्छता का सेर्व करता है. इस बार का सर्वे पिछली बार से बिल्कुल अलग होगा.

सर्वेक्षण टीम बिना सूचना के मौके पर जाकर फोटो-वीडियो के जरिए वास्तविकता दर्ज करेगी. नगर निगम ने पिछले एक साल स्वच्छता से जुड़े संसाधन बढ़ाए हैं. तकनीकी की दृष्टि से सफाई की मशीनें खरीदी, उसके बाद भी साफ-सफाई की वास्तविक स्थिति में कोई बड़ा सुधार नहीं हुआ है. ऐसे में टाप-5 रैंक भी इस बार मुश्किल नजर आ रही है.

शहर में कचरे के ढेर, टूटे फुटपाथ और गंदे शौचालय आसानी से कहीं भी नजर आ जाते हैं. कुल 12 हजार 500 अंकों में से 10 हजार 500 अंक सीधे स्थल निरीक्षण पर आधारित हैं. इसमें सबसे बड़ी फांस येलो स्पाट और रेड स्पॉट के रूप में सामने आई है.

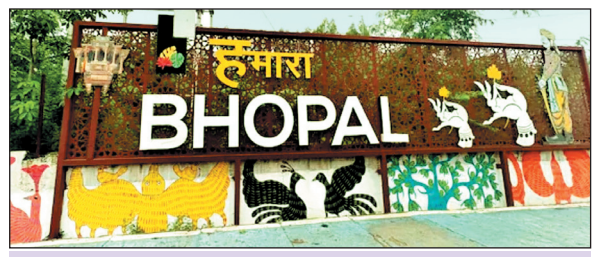

तो सीधे 150 अंक कट जाएंगे :

सर्वेक्षण दल को शहर की दीवारों पर गंदगी दिखी तो सीधे 150 अंक कट जाएंगे. पिछले साल 12 हजार 067 अंक पाकर देश में दूसरा स्थान हासिल करने वाला भोपाल इस बार सुस्त नजर आ रहा है. शहर के सार्वजनिक शौचालयों की हालत खस्ता, टूटे फुटपाथ और सड़कों पर उड़ती धूल वायु गुणवत्ता के मानकों पर सवाल उठा रही है.

डंपर की चपेट में आने से छात्र की मौत

भोपाल, 5 फरवरी. छोला मंदिर थाना इलाके में डंपर की चपेट में आने से एक बीएससी के छात्र की मौत हो गई. मौके से चालक डंपर को छोड़कर भाग निकला. पुलिस आरोपी चालक की तलाश में जुटी है. मिली जानकारी के मुताबिक सूजल मुंडा (21) भोपाल में बीएससी फॉरेंसिक से फाइनल ईयर की पढ़ाई कर रहा था. वह मेमोरियल अस्पताल परिसर में रहता था. बुधवार को देर रात वह अयोध्या नगर में अपने एक दोस्त के घर गया था, जहां से देर रात को खाना खाकर जब लौट रहा था, तभी ब्रिज के पास एक तेज रफ्तार आ रहे डंपर ने सूजल को टक्कर मार दी. हादसे के दौरान आरोपी चालक मौके से फरार हो गया. घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची. पुलिस ने सूजल को हमीदिया अस्पताल में पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

क्या फ्री फायर गेम थी अंश के आत्महत्या की वजह

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 5 फरवरी. पिपलानी इलाके में दो दिन पहले फांसी लगाकर आत्महत्या करने वाले 14 साल के बच्चे अंश साहू की मौत की जांच पुलिस कर रही है. अंश फ्री फायर गेम खेलने का आदी हो गया था.

बच्चे ने हाल ही में जब अपने दादा के मोबाइल से गेम खेलने के लिए कुछ रुपए ऑनलाइन ट्रांजेक्शन किए थे, इस घटना को लेकर परिजनों ने उसे फोन से दूरी बनाने की बात कही थी. बच्चे के परिजन बीते कुछ दिनों से उसे फोन नहीं दे रहे थे. घटना वाले दिन अंश को भी उसके माता-पिता अपने साथ बाहर लेकर जा रहे थे. इस दौरान उसने कपड़े बदलने का बहाना बताते हुए अपनी मां का फोन लेकर घर के अंदर चला आया था. परिजनों के उसके आत्महत्या करने जैसे व्यवहार को लेकर शक भी नहीं था. परिजन जब घर के अंदर आए तो अंश को फंदे पर लटकता देखा था.

गंदगी फैलाने वालों पर स्पॉट फाइन, 11 हजार वसूले

भोपाल. नगर निगम के स्वास्थ्य अमले ने गुरुवार के सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों पर कार्रवाई की, जिनसे मौके पर जुर्माना वसूला गया. दुकानों होटलों और अस्पतालों के कचरे से शहर में पर्यावरण प्रदूषित होता है. यह कार्रवाई शहर को स्वच्छता रैंक में सुधार करने के लिए की जा रही है. फरवरी माह में केंद्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण दल आने वाला है जो शहर की स्वच्छता का निरीक्षण करेगा, जो देश में स्वच्छ शहरों को रैंकिंग प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. शहर के वार्डों में सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने वाले से जुर्माना वसूला.

रबी फसल उपार्जन पंजीयन शुरू

47 केन्द्र किए स्थापित

आधार से लिंक मोबाइल नंबर से ही होगा पंजीयन

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 5 फरवरी. राजधानी में रबी उपार्जन वर्ष 2026-27 के लिए पंजीयन 7 फरवरी शुरू किए जा रहे हैं. यह केन्द्र प्रतिवर्ष की भांति न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए बनाए जा रहे हैं. इसके लिए 47 सहकारी समितियों स्थापित किए जा रहे हैं, जहां पर किसान पंजीयन पूर्णत: नि:शुल्क रहेगा.

जो किसान द्वारा समितियों के अतिरिक्त स्वयं के मोबाईल पर एप डाउनलोड करके भी किया जा सकता है. अगर किसान स्वयं पंजीयन नहीं कर सकता है तो एमपी ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेन्टर, लोक सेवा केन्द्र, साइबर कैफे पर भी कर सकता है. किसान पंजीयन के लिए आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त होने के उपरांत ही पंजीयन किया जा सकेगा. किसान की भूमि एक ही जिले के अन्य ग्रामों में है तो पंजीयन में दूसरे ग्राम की फसल के रकबे को जोड़ा जा सकेगा.

सहकारी समिति में होगा पंजीयन

जिला आपूर्ति नियंत्रक द्वारा बताया कि सिकमी, बटाईदार एवं वन पट्टाधारी किसानों का पंजीयन केवल सहकारी समिति के माध्यम से किया जा सकेगा. इसके लिए वनाधिकार पट्टाधारी किसानों को वनपट्टा एवं बटाईदार को अनुबंध 2 फरवरी 2026 के पूर्व की अवधि का पंजीकृत होना अनिवार्य है.

मालिक के घर में चालक ने लगाई फांसी

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 5 फरवरी. हबीबगंज इलाके में एक वाहन चालक ने अपने मालिक के घर के सर्वेंट रूम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. गुरुवार को शव का पीएम कराते हुए पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया.

मौके पर पुलिस को सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ. मर्ग कायम कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. मिली जानकारी के मुताबिक अरेरा कॉलोनी ई-2 के बंगले में 30 वर्षीय दामोदर भंडारी ने फांसी लगाकर जान दे दी. दामोदर की पत्नी ने गुरुवार की सुबह जब पति को फंदे पर लटकता देखा तो अपने परिजनों को जानकारी दी. घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतारा. मूलत: नेपाल का दामोदर भंडारी भोपाल में वाहन चालक के तौर पर काम करता था. वाहन मलिक ने उन्हें अपने घर के ही सर्वेंट रूम दे रखा था, जहां दामोदर अपनी पत्नी और परिवार के अन्य लोगों के साथ रहते थे. बुधवार की रात दामोदर ने घर में ही फांसी लगा ली. दामोदर की पत्नी ने भी पुलिस की पूछताछ में पति से किसी तरह के विवाद की बात से इंकार किया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

जन्म प्रमाण पत्र बनवाने चक्कर काट रहे परिजन

- कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल में हो रही परेशानी
- पोर्टल की आईडी और पासवर्ड नहीं होने से बढ़ी परेशानी

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 5 फरवरी. राजधानी के सोनागिरी स्थित कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल में जन्म प्रमाण पत्र को लेकर जनता परेशान हो रही है. अस्पताल का जन्म मृत्यु पंजीयन करने के लिए पोर्टल का लॉगिन आईडी और पासवर्ड का ना होना है.

अस्पताल प्रबंधन जन्म पंजीयन के लिए नगर निगम भेज

रहे हैं. नगर निगम को सिर्फ प्राइवेट का अधिकार है. शासकीय अस्पताल का नहीं है, उसका कारण है कि सरकारी अस्पताल स्वयं पंजीयन करता है. इनका खुद का पोर्टल है. शहर के आदमपुर छावनी निवासी सुरेन्द्र धाकड़ जो कि सत्यम फायनेंस में नौकरी करते हैं. उनकी पत्नी की डिलेवरी 4 नवंबर 2025 को सोनागिरी स्थित कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल में हुई थी. उसके बाद अस्पताल ने जो जन्म प्रमाण पत्र बनाकर दे दिया, वो शासकीय योजनाओं में मान्य नहीं है. क्योंकि पोर्टल से जारी प्रमाण पत्र ही मान्य है. लेकिन बच्ची का सही जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन सका.

इनका कहना है

2024 से आईडी पासवर्ड के लिए पत्र लिख रहा हूं. अभी तक जारी नहीं किया है. इस वजह से जन्म प्रमाण जारी नहीं किए जा सकते हैं.

कुलदीप मीना, संचालक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल, सोनागिरी

हमारे यहां पर सिर्फ प्राइवेट अस्पताल में जन्म लिए बच्चों का पंजीयन होता है. सरकारी अस्पताल का अधिकार हमें नहीं है.

सत्यप्रकाश बडगैंयां, रजिस्टार जन्म मृत्यु पंजीयन, नगर निगम भोपाल

में तीन महीने से जन्म प्रमाण पत्र के लिए भटक रहा हूं, कभी नगर निगम, कभी अस्पताल. प्रमाण पत्र के अभाव में बच्ची को शासकीय योजनाओं से वंचित होना पड़ेगा. आंगनवाड़ी से फरवरी माह का समय दिया है.

सुरेन्द्र धाकड़, पीड़ित व बच्ची का पिता, आमदपुर छावनी

प्रशिक्षण बीएचईएल ने तीन दिवसीय सीएनसी मेंटेनेंस प्रशिक्षण का किया आयोजन

प्रशिक्षण कर्मचारियों की कार्यक्षमता बढ़ाने में सहायक होगी ट्रेनिंग

बीएचईएल संवाददाता

भोपाल, 5 फरवरी. भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) के विभिन्न अनुरक्षण विभागों के कर्मचारियों के लिए मानव संसाधन विकास केन्द्र (एचआरडीसी), विश्वकर्मा हॉल में तीन दिवसीय सीएनसी मेंटेनेंस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि टी.यू. सिंह, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) द्वारा किया गया, जिन्होंने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता भी की।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि यह प्रशिक्षण कर्मचारियों की कार्यक्षमता बढ़ाने, अनुरक्षण कार्यों में आने वाली चुनौतियों को साझा करने तथा कार्य निष्पादन में आने वाली बाधाओं को कम करने में सहायक होगा। उन्होंने एचआरडीसी की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम बीएचईएल की कार्य संस्कृति को सुदृढ़ करते हैं और सभी कर्मचारियों को इनका लाभ उठाना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रशिक्षण मशीन ब्रेकडाउन के समय को कम करने और सीएनसी मशीनों की सटीकता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ प्रबंधक सचिन जैन ने 16 प्रतिभागियों को सीएनसी मशीनों और उनके अनुरक्षण से संबंधित व्यावहारिक एवं विस्तृत जानकारी दी। तीन दिवसीय सत्र में प्रतिभागियों ने बीएचईएल के अनुभवी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संवाद करते हुए अनुरक्षण से जुड़ी समस्याएं साझा कीं और मार्गदर्शन प्राप्त किया।

बीएलओ सीधे मतदाता के घर जाकर दस्तावेजों का कर सकेंगे सत्यापन

- कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बताई नई व्यवस्था

भोपाल, 5 फरवरी. राजधानी की सातों विधानसभा सीटों की मतदाता सूची को त्रुटिहीन बनाने के अभियान में अचानक आई तकनीकी और तार्किक विसंगतियों ने जिला निर्वाचन कार्यालय का गणित बिगाड़ दिया है.

पहले केवल 1.16 लाख नो मैपिंग वाले मतदाताओं के लिए शेड्यूल बनाया गया था, लेकिन अब नाम, उम्र और पते जैसी गलतियों वाले 2 लाख 27 हजार 129 मतदाताओं को नोटिस जारी होने से वार्ड दफ्तरों में काम का बोझ और भीड़ दोनों बढ़ गई है.

बढ़ती भीड़ और मतदाताओं की परेशानी को देखते हुए कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने नई व्यवस्था लागू की है. अब जिन लोगों को नोटिस मिले हैं, उन्हें वार्ड दफ्तरों या एईआरओ के चक्कर काटने की मजबूरी नहीं होगी. बीएलओ सीधे मतदाता के घर जाकर दस्तावेजों का सत्यापन कर सकेंगे. इससे बुजुर्गों और कामकाजी लोगों को बड़ी राहत मिलेगी.

लॉजिकल विसंगतियों की बड़ी संख्या को देखते हुए जिला निर्वाचन कार्यालय ने पूर्व निर्धारित शेड्यूल में बदलाव किया है. अब सुनवाई की तिथि 14 फरवरी तक बढ़ा दी गई है. वार्ड दफ्तरों में रोजाना 250 से 300 लोगों की सुनवाई की जा रही है, ताकि समय पर एसआईआर का काम पूरा किया जा सके. इस दौरान नए नाम जोड़ने और पते में संशोधन से जुड़े आवेदन भी लिए जा रहे हैं.